दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 204
मुरादाबाद
(Sunday)
15 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नेहरू जयंतीः प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व पीएम को किया याद, कांग्रेस नेताओं ने समाधि स्थल पहुंचकर किया नमन



देश के पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू की आज जयंती है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने पंडित नेहरू को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समेत विभिन्न वरिष्ठ नेताओं ने पंडित नेहरू के समाधि स्थल पहुंचकर उन्हें नमन किया। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की आज जयंती है। इस अवसर पर सोनिया गांधी समेत वरिष्ठ नेताओं ने नई दिल्ली में पंडित नेहरू के समाधि स्थल शांति वन पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश के पहले प्रधानमंत्री को याद किया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने पंडित नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी अपने परदादा और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद किया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने लिखा, जवाहरलाल नेहरू एक अनोखे इंसान थे। एक क्रांतिकारी, दूरदर्शी और राष्ट्र निर्माता। यह उनके समर्पण का ही सबूत है कि उनकी मौत को साठ साल से भी ज्यादा समय बीतने के बाद भी, हमारे संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करने वाले लोग उन पर हमला करते हैं। हमारी कामना है कि उनका इस देश के लिए प्यार हमेशा हमारा मार्गदर्शन करे। राहुल गांधी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, %हिंद के जवाहर, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर सादर नमन। आजादी उनकी मंजिल नहीं, देश के नए सफर का मुकाम थी। स्वराज सत्ता नहीं, हर नागरिक की भागीदारी और देश के भविष्य की जिम्मेदारी थी। भारत उनके लिए एक खोज, एक विचार था- विविधता जिसकी शक्ति, लोकतंत्र जिसका विश्वास और समानता जिसका आधार हो। एक आधुनिक, वैज्ञानिक, प्रगतिशील और आत्मविश्वासी भारत का उनका सपना आज भी हमारी प्रेरणा है। और उस सपने के भारत की ओर हमारा प्रयास ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। पंडित नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था, जिसे अब प्रयागराज के नाम से जाना जाता है। बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहते थे। इस दिन स्कूलों में बच्चों के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कहीं खेल-कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, तो कहीं भाषण, चित्रकला और प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं। इस दिन का मकसद बच्चों की खुशी, पढ़ाई और उनके बेहतर भविष्य पर ध्यान देना है।

लखनऊ में वकीलों का प्रदर्शन, बैरिकेडिंग तोड़कर विधानसभा की ओर बढ़े अधिवक्ता; हजरतगंज में नारेबाजी



लखनऊ में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर वकीलों ने प्रदर्शन किया। कैसरबाग न्यायालय से शुरू हुआ पैदल मार्च हजरतगंज पहुंचा। यहां प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की। कुछ वकील बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पुलिस ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की थी।लखनऊ में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर शनिवार को बड़ी संख्या में वकीलों ने प्रदर्शन किया। हजरतगंज चौराहे पर नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ रहे अधिवक्ताओं ने पुलिस की एक बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद कुछ वकील दूसरी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे।अधिवक्ताओं का पैदल मार्च कैसरबाग स्थित न्यायालय परिसर से शुरू हुआ। यहां से परिवर्तन चौक और अटल चौक होते हुए वकील विधानसभा की ओर बढ़े। प्रदर्शन को प्रदेश के कई अधिवक्ता संगठनों का समर्थन मिला है।वकीलों की मांग है कि सरकार जल्द से जल्द अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करे। उनका कहना है कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस कानून की जरूरत है। वहीं, विधानसभा घेराव के ऐलान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए।हजरतगंज समेत मार्च के पूरे रास्ते पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कई थानों की पुलिस के साथ अतिरिक्त सुरक्षा बल भी लगाया गया। बैरिकेडिंग टूटने के बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने में जुटी रही।पुलिस और वकीलों में धक्कामुक्की- कैसरबाग से परिवर्तन चौक, हजरतगंज चौराहे और जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा तक लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ डाली। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी वकीलों के बीच जमकर धक्कामुक्की हुई। धकारी लगातार अधिवक्ताओं को रोकने और समझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।लखनऊ में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे वकील विधानसभा के गेट नंबर-2 के सामने पहुंच गए। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ता पुलिस पर भारी पड़ते नजर आए और उनसे बैरिकेडिंग छीन ली। मौके पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बनी रही।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक ने ही लीक करा दिया पर्चा, आवेदकों से वसूले 20-40 लाख रुपये

कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का पेपर लीक होने के मामले में ईडी ने आरोपियों की करोड़ों रुपये की संपत्ति फ्रीज की है। इस मामले में मुख्य आरोपी आईएएस अधिकारी हैं। प्रवर्तन निदेशालय के बंगलूरू जोनल कार्यालय ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले के मामले में, धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत 1.22 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। अस्थायी रूप से कुर्क की गई संपत्तियों में कर्नाटक लोक सेवा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष शिवशंकरप्पा साहूकार, सदस्य गीता बीवी शिवमूर्ति और आयोग के तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक (सीओई) आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार की चल और अचल संपत्तियां शामिल हैं। क्या है पूरा मामला-ईडी ने यह जांच बंगलूरू के विधान सौधा पुलिस स्टेशन में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। ये एफआईआर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 318(3), 318(4), 336(2), 336(3) और 340(2) के तहत दर्ज की गई थीं। अनियमितताओं और केपीएससी भर्तियों में फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने से जुड़ा है। जांच से पता चला है कि केपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष, एक सदस्य और तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक ने बसवराज कन्नाले और अन्य लोगों के साथ मिलकर साजिश रची।

मेरठ में सीएम योगी के 5 बड़े ऐलानःअग्निवीरों को 20ः आरक्षण, शहीद परिवार को 50 लाख; वीरता पुरस्कार राशि डबल



मेरठ की रैली में सीएम योगी ने सैनिकों के कल्याण को लेकर कई बड़ी घोषणाएं की। सीएम ने शहीद परिवारों के लिए 50 लाख रुपये की सहायता, अग्निवीरों को 20त्न आरक्षण और पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार के अवसर। वीरता पुरस्कार की राशि और वार्षिकी दोगुनी करने, स्टाम्प शुल्क छूट की सीमा 50 लाख और शहीद परिवार को घर के पास नौकरी देने की घोषणा की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ के कुलवंत सिंह स्टेडियम में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मान रैली को संबोधित करते हुए सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार की योजनाओं का ब्योरा दिया। उन्होंने शहीद सैनिकों के परिवारों को मिलने वाली अनुग्रह राशि 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किए जाने, अग्निवीरों को विभिन्न विभागों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण और पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार के अवसरों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों और उनके परिवारों की चिंता करना किसी भी सरकार का पहला दायित्व होना चाहिए। वर्दीधारियों का सम्मान डबल इंजन सरकार का संकल्प है।

शहीद परिवारों को 20 की जगह अब 50 लाख रुपये की सहायता-सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले शहीद सैनिकों के परिवारों को 20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाती थी। प्रदेश सरकार ने इसे बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया है। उनके अनुसार, अब तक 150 शहीद परिवारों को 59 करोड़ 50 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है। वर्ष 2018 में शहीद के आश्रित को सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था भी लागू की गई।मुख्यमंत्री ने शहीदों की स्मृति में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 200 स्मारक, 61 स्मृति द्वार और 78 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इसके अलावा 21 विद्यालयों, 48 सड़कों और तीन स्टेडियम का नामकरण शहीद सैनिकों के नाम पर किया गया है।अग्निवीरों को पुलिस और अन्य विभागों में 20 प्रतिशत आरक्षण- मुख्यमंत्री ने अग्निवीरों के लिए लागू आरक्षण व्यवस्था का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सेना में सेवा पूरी करने के बाद लौटने वाले अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश पुलिस, कारागार विभाग, वन विभाग और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है।सीएम ने कहा कि सेना के अनुशासन और प्रशिक्षण से तपकर आने वाले नौजवान उत्तर प्रदेश पुलिस और शासन की ताकत बनेंगे। उन्होंने पूर्व सैनिकों के अनुभव को भी प्रदेश के विकास में उपयोगी बताया। 31,700 पूर्व सैनिकों को रोजगार, 647 सरकारी सेवा में चयनित सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2021 में समूह %ख% के पदों पर पूर्व सैनिकों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया। उनके मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से 647 पूर्व सैनिक सरकारी सेवा में चयनित हुए हैं। वहीं, सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से वर्तमान में लगभग 31,700 पूर्व सैनिकों को रोजगार दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पावर कॉरपोरेशन, मेडिकल कॉलेजों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी पूर्व सैनिकों को सौंपने का निर्णय लिया गया है। नगर निकायों के प्रवर्तन दलों में भी पूर्व सैनिकों की तैनाती की जा रही है। सैनिक कल्याण योजनाओं के तहत 96.78 करोड़ रुपये की सहायता मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश सरकार की सैनिक कल्याण योजनाओं के तहत 96 करोड़ 78 लाख रुपये की सहायता दी गई है। सैनिक पुनर्वास निधि से 15 हजार से अधिक लाभार्थियों को 115 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों और उनकी पत्नियों को छह हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। कारगिल के शहीदों की वीर नारियों और माता-पिता को भी प्रदेश सरकार की ओर से मासिक पेंशन दी जा रही है। किर्की और मोहाली के पैराप्लेजिक केंद्रों में उपचार करा रहे प्रदेश के 100 प्रतिशत दिव्यांग सैनिकों की वार्षिक सहायता बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दी गई है। सैनिकों के बच्चों की पढ़ाई के लिए भी शिक्षा अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इस योजना से 8,600 से अधिक बच्चों को लाभ मिला है।डिफेंस कॉरिडोर से रक्षा उत्पादन में भागीदार बन रहा यूपी-मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में रक्षा उत्पादन और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को लेकर सरकार की पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश की रक्षा तैयारियों में भागीदार बन रहा है।सीएम योगी ने कहा, ब्रह्मोस जैसी मिसाइल अब लखनऊ में बन रही है। ऑपरेशन सिंदूर में इसी ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए थे।

रेस्ट जोन से दुर्घटना बीमा तकः राहुल गांधी के बड़े एलान, बोले- गिग वर्कर्स को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है भाजपा



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हैदराबाद में गिग वर्कर्स की बाइक रैली में हिस्सा लिया। वह एक गिग वर्कर की स्कूटी पर पीछे बैठकर रैली में पहुंचे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी इस रैली में शामिल हुए। राहुल गांधी भारत समिट 2026 में हिस्सा लेने के लिए हैदराबाद पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने गिग वर्कर्स के समर्थन, चुनावी वादों और फोन टैपिंग के आरोपों पर भी अपनी बात रखी।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को हैदराबाद में गिग वर्कर्स की बाइक रैली में शामिल हुए। इस दौरान वह एक गिग वर्कर की स्कूटी पर पीछे बैठकर रैली में पहुंचे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी बाइक रैली में शामिल हुए। हैदराबाद में आयोजित यह बाइक रैली शिल्पाकला वेदिका से शुरू हुई। राहुल गांधी ने नोवोटेल के पास गिग वर्कर्स को संबोधित किया। वह भारत समिट 2026 में शामिल होने के लिए शुक्रवार रात हैदराबाद पहुंचे थे और नोवोटेल होटल में ठहरे हुए थे। हैदराबाद पहुंचने पर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, अन्य मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। रैली से पहले नोवोटेल होटल के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा-रैली में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले नोवोटेल होटल के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। हाई-प्रोफाइल सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत डॉग स्क्वॉड ने पूरे इलाके की जांच की। इसके साथ ही वाहनों की आवाजाही पर भी कड़ी नजर रखी गई।हैदराबाद के हाइटेक सिटी स्थित जयभेरी ग्राउंड में राहुल गांधी ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम का शुभारंभ किया। इस मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क भी मौजूद रहे। इस योजना का उद्देश्य गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उनके भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाना हैतेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम के शुभारंभ के मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने पहले तेलंगाना के गिग वर्कर्स के साथ बैठक की थी, जहां उन्होंने अपनी परेशानियां और दर्द साझा किया था। उस समय उन्होंने गिग वर्कर्स से वादा किया था कि कांग्रेस पार्टी, मुख्यमंत्री और उनकी पूरी टीम उनकी मांगों पर जरूरी कदम उठाएगी। साथ ही उनकी मदद करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। स्कीम का शुभारंभ करने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि 21वीं सदी डेटा का युग है। आज देशभर में डेटा की चर्चा हो रही है और डेटा सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। गूगल, फेसबुक, व्हाट्सऐप और उबर जैसी कंपनियां डेटा के आधार पर काम कर रही हैं, लेकिन अब तक भारत में गिग वर्कर्स को अपने ही डेटा तक पहुंच नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा कि नया कानून गिग वर्कर्स को अपने डेटा पर अधिकार देगा। तेलंगाना सरकार उन्हें यह गारंटी दे रही है कि उनके द्वारा किए गए काम, पूरी की गई राइड और उसके बदले मिलने वाले भुगतान का पूरा ब्योरा उनके मोबाइल फोन पर उपलब्ध होगा।

संपादकीय Editorial

Disband the "Fraud" SIR

It is gradually becoming clear that the "Special Intensive Revision" (SIR) conducted or currently underway in the name of cleansing voter lists is inaccurate, contradictory, and fraudulent. Even the ruling BJP is falling victim to this. In the 13 states and union territories where SIR has been conducted, the process has been labeled a "fraud," but this has been dismissed as "political blather" by the opposition. Now, Uttar Pradesh's BJP Chief Minister, Yogi Adityanath, has not called for "vote theft," but has questioned that the Assembly voter list should contain over 160 million names, but only 130 million. Why is this so? Let us reveal the actual figures. According to the Election Commission, Uttar Pradesh's Panchayat and Municipal voter lists contain over 169 million names, while the Assembly list contains over 135.6 million voters. The difference is 33.4 million voters. This is a serious and mandate-impacting difference. The Chief Minister has also expressed concern that the names of 12.7 million Hindus are missing from the list. The names of approximately 6.6 million voters registered in the Panchayat list, 5.5 million beneficiaries of government schemes, and approximately 450,000 voters aged 18-19 have not been added to the list. The question shouldn't be how Chief Minister Yogi Adityanath learned of these figures? Does this prove a "collusion" between the Election Commission and the BJP? The sensitive and constitutional question should be how the right to vote is being taken away on such a massive scale? And why is the central government playing politics in support of the SIR? Now, the Election Commission is matching the voter lists—Panchayat, Municipal, and Assembly—in Uttar Pradesh. This exercise has not been done in states ranging from Bihar and Bengal to Tamil Nadu and Kerala. It hasn't even been done in Maharashtra, Haryana, Madhya Pradesh, and Rajasthan, where BJP governments are in power! Can 12.7 million voters also be labeled "infiltrators"? So far, over 30 million names have surfaced across the country, where voters were either not found at home or could not be contacted despite repeated attempts. Therefore, Home Minister Amit Shah declared these 30 million names as "infiltrators." The Home Minister would never do this in Uttar Pradesh, as the BJP considers Hindu voters its "vote bank." It's noteworthy that in Uttar Pradesh, districts and areas considered "BJP strongholds" where the party has consistently won, an average of 20 percent of voters have been deleted. There's no such thing as a "logical anomaly" here. Yet, the omission of Hindu names is a significant political event. The BJP must be worried! Would Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar Gupta have the audacity to "red line" his own masters' vote bank? We can't even imagine it. It's possible that this is the result of a leadership struggle within the BJP, and that obstacles are being laid to Yogi Adityanath's path to a third term. This possibility also seems hollow to us, as Prime Minister Modi and Defense Minister Rajnath Singh are both Lok Sabha MPs from Uttar Pradesh. Incidentally, it's worth noting that Muslim voter turnout has increased by 1.65 percent, leading leaders like Akhilesh Yadav to stop making statements on the SIR. The Chief Minister is provoking him to issue statements about "vote theft" and the need to end the SIR. This issue is extremely sensitive because it concerns the fundamental.

Ignoring Pollution

It is noteworthy that over time, Punjab and Haryana have succeeded in reducing the practice of stubble burning. Pollution increased in North India, including Delhi-NCR, after Diwali. Firecrackers, stubble burning, and vehicle emissions are the main causes of pollution. It is essential for society to take collective responsibility to protect the environment. As was anticipated, the use of firecrackers on Diwali could increase air pollution. Air quality deteriorated across much of North India, including Delhi-NCR. The Air Quality Index (AQI) exceeded 600 in Kolkata on Diwali night, making it clear that the problem of air pollution has engulfed North India and other parts of the country. The scope and severity of air pollution continues to increase year after year due to the refusal to take timely action to address all the contributing factors. Generally, poor air quality begins with the burning of crop residue in Punjab, Haryana, Rajasthan, and Western Uttar Pradesh. Then, other factors contribute to air pollution, such as vehicle emissions, dust from roads and construction sites, etc. When a large number of firecrackers are burst on Diwali, pollution increases further. Even numerous Supreme Court directives have failed to curb the use of firecrackers, nor has the use of green firecrackers increased. This is because firecrackers have become an integral part of Diwali.

It is true that firecrackers are not solely responsible for air pollution, but there is no doubt that they also contribute to it. Everyone is aware of this, yet they are not ready to limit their use. Why can't green firecrackers be used symbolically on Diwali? Society itself creates the ways of celebrating a festival and also makes changes to them according to the country, time, and circumstances. An initiative should be considered where firecrackers are usedespread use occurs on Ram Navami or the beginning of the Hindu New Year.

It is noteworthy that over time, Punjab and Haryana have succeeded in reducing the practice of stubble burning. Similar success can be achieved in limiting the use of firecrackers on Diwali. This will undoubtedly happen when everyone understands that increasing pollution is not only harmful to health but also brings disrepute to the country. Protecting the environment is possible only when society, along with the government and administration, is always ready to fulfill its share of responsibility. Unfortunately, this situation is not being achieved even though every festival of ours also conveys the message of environmental protection. It is not right that even when air pollution has reached dangerous levels, the average person remains indifferent to it.

America's Pettiness

The US administration should also understand that its institutions, such as the Commission on Religious Freedom, will achieve nothing by making baseless and highly biased comments on India's internal affairs. India deserved to strongly object to the manner in which a New York court, based on a false complaint filed by pro-Khalistan terrorist Gurpatwant Singh Pannu,

who had taken refuge in the US, summoned National Security Advisor Ajit Doval and former RAW chief Samant Goel.

What is objectionable is not only that the US court acted as if India also had jurisdiction, but also that the US State Department deemed it necessary to hand over the court documents related to this civil case to the Indian Embassy in Washington.

Since, like the New York court, the US State Department also failed to follow due process, the Indian Ministry of External

Affairs had no other option but to advise it that the only legitimate and legal way to serve a foreign judicial document is through the Indian Ministry of Law and Justice. It's impossible that American diplomats aren't familiar with this international practice and procedure. They're either displaying ignorance or arrogance. Either way, such an attitude is bound to sour relations between the two countries.

It cannot be ignored that Pannu, who regularly spews venom against India, previously attempted to summon Ajit Doval through a Washington court. India has ample grounds to conclude that the US is using Pannu as a pawn to further its narrow-minded agenda. If the US wants to normalize relations, it should refrain from protecting elements like Pannu and using them against India. Relations between the two countries are already

strained due to President Trump's arbitrary attitude. Trump has tried to pressure India regarding the trade agreement and has also used derogatory language against India on several occasions.

Despite this, India remains steadfast in its stance, respecting diplomatic decorum. If the US is mistaking India's diplomatic decorum for weakness, it is gravely mistaken. The sooner the US realizes that India is not going to yield to its pressure, the better.

The US administration should also understand that its institutions, like the Commission on Religious Freedom, will achieve nothing by making unfounded and blatantly biased comments on India's internal affairs. In fact, the tactics it is adopting only reveal its pettiness.

Hope for Women's Reservation

The government is indicating that it will include a proposal to increase the number of seats in all states by 50 percent as part of the bill, which could enable it to successfully pass the Delimitation Bill along with the Women's Reservation Amendment Bill. A special session is likely to address the Women's Reservation and Delimitation Bills.

The proposal to increase the number of seats is expected to be implemented before 2029. The fragmentation within opposition parties is likely to help pass the bill. The failure to adjourn the monsoon session of Parliament even after three months has fueled speculation that the government may call a special session at any time to try to pass the Delimitation Bill along with the bill amending the law implementing women's reservation. This possibility now appears to be increasing. One reason for this is the imminent assembly elections in five states, and the Nari Shakti Vandan Act, which provides for women's reservation, can only be implemented before 2029 without waiting for the results of the new census.

This Act provided that women's reservation would be implemented after delimitation based on the new census. However, due to the delay in the census due to the COVID pandemic, implementing 33 percent women's reservation in the Lok Sabha and Legislative Assemblies is impossible before 2029. To make this possible, the government convened a special session a few months ago and attempted to pass the Delimitation Bill along with the Women's Reservation Amendment Bill, but failed due to the opposition's non-cooperation.

However, to appease the opposition, the government proposed increasing the seats in all states by 50 percent, so that each state's representation percentage in the Lok Sabha remains the same and all parties' commitment to implementing women's reservation is fulfilled. The opposition did not approve of this unwritten proposal.

Since the government is now indicating that it will include the proposal to increase the seats in all states by 50 percent as part of the bill, it may be successful in passing the Delimitation Bill along with the Women's Reservation Amendment Bill. One reason for this is the fragmentation and disintegration within the opposition alliance. While 20 Lok Sabha members of the Trinamool Congress have defected, eight Rajya Sabha members of the Aam Aadmi Party have also joined the BJP.

In addition, the DMK has left the opposition alliance and sees no flaws in the government's initiative to increase the number of Lok Sabha seats in all states to 50 or 33 percent, nor any political harm to Tamil Nadu. The proposal for 33 percent seats instead of 50 percent may be acceptable to everyone because the number of seats under women's reservation is only that much.

In any case, opposition parties should not forget that the Mahila Shakti Vandan Act was passed almost unanimously by both houses of Parliament in 2023. Consequently, it is the moral responsibility of opposition parties to step forward to fulfill their commitment to half the country's population.

सीआरपीएफ कैंप पर हमला: बरी आरोपी जंग बहादुर घर में कैद, पुलिस ने बढ़ाई निगरानी; इस थाने में लगाता है हाजिरी



रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर हमले के मामले में आरोपी रहे मो. शरीफ की हत्या और धमकी मिलने के बाद मूंढापांडे क्षेत्र में रहने वाला जंग बहादुर उर्फ बाबा भी अपने घर में कैद हो गया है।

इस हमले में जंग बहादुर को रामपुर की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने अन्य आरोपियों के साथ उसे भी बरी कर दिया था। उधर, पुलिस ने जंग बहादुर की निगरानी बढ़ा दी है। इसके अलावा खुफिया तंत्र भी अलर्ट हो गया है।31 दिसंबर 2007 की देर रात रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला किया गया था। इस हमले में सात जवान शहीद हो गए थे, जबकि एक रिक्शा चालक की भी मौत हो गई थी। इस मामले में रामपुर के सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।पुलिस ने मो. शरीफ, इमरान शहजाद, मो. फारुख, सबाउद्दीन के साथ ही मूंढापांडे के मिलक कामरू निवासी जंग बहादुर को भी आरोपी बनाया था। उस वक्त जंग बहादुर रामपुर सीआरपीएफ कैंप के पास ही टायरों में पंक्चर जोड़ने और हवा भरने की दुकान चलाता था।इस मामले में रामपुर कोर्ट ने दो नवंबर 2019 को मो. शरीफ, इमरान शहजाद, मो. फारुख और सबाउद्दीन को फांसी की सजा सुनाई थी, जबकि जंग बहादुर को आजीवन कारावास की सजा दी थी। 29 अक्तूबर 2025 को हाईकोर्ट ने सभी को बरी कर दिया था।मंगलवार को रामपुर के खजुरिया थाना क्षेत्र के आकिलपुर उर्फ बदनपुर निवासी मो. शरीफ की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। घटना के समय मो. शरीफ थाने में हाजिरी लगाकर लौट रहा था। इस हत्या की जिम्मेदारी झारखंड के गैंगस्टर राहुल सिंह ने लेने का दावा किया है। उसने अन्य आरोपियों की भी हत्या करने की धमकी दी है।मूंढापांडे क्षेत्र के मिलक कामरू निवासी जंग बहादुर उर्फ बाबा भी मूंढापांडे थाने में हाजिरी लगाता है। अगर वह थाने में हाजिरी लगाने नहीं पहुंचता है तो पुलिस उसके घर जाती है। मो. शरीफ की हत्या और राहुल सिंह की धमकी के बाद जंग बहादुर उर्फ बाबा ने भी घर से बाहर निकलना बंद कर दिया है। परिवार के लोग भी उस पर नजर रख रहे हैं।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मूंढापांडे थाने की पुलिस को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और संदिग्ध लोगों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जंग बहादुर उर्फ बाबा और उसके परिवार के संपर्क में रहने को कहा गया है। पुलिस ने परिवार से भी बात की है और किसी संदिग्ध व्यक्ति के दिखाई देने पर तुरंत सूचना देने को कहा है।

यात्रियों की बल्ले-बल्ले! इन 30 ट्रेनों का सुपरफास्ट दर्जा छिनने से सस्ता हुआ सफर, अब जेब पर कम पड़ेगा बोझ



मुरादाबाद रेल मंडल से गुजरने वाली 30 ट्रेनों का सुपरफास्ट दर्जा हटने से यात्रियों को किराये में 15 से 75 रुपये तक की बचत होगी। यह बदलाव बढ़े ठहरावों के कारण औसत गति कम होने से हुआ है, लेकिन ट्रेनों की रफ्तार पर कोई असर नहीं पड़ेगा।जनप्रतिनिधियों की मांग पर बढ़ते गए स्टापेज, घटती गई ट्रेनों की औसत रफ्तार-55 किमी प्रति घंटे से कम औसत गति होने पर छिना सुपर फास्ट का दर्जासुपरफास्ट का दर्जा हटने के बाद भी ट्रेनों की रफ्तार कम नहीं होगी, बल्कि यात्रियों को किराये में राहत मिलेगी। मुरादाबाद रेल मंडल से होकर गुजरने वाली 30 ट्रेनें सुपरफास्ट श्रेणी से बाहर हो गई हैं। इनके स्थान पर अब यात्रियों को सामान्य एक्सप्रेस ट्रेन के किराये में सफर करने की सुविधा मिलेगी।

अभी तक यात्री सुपरफास्ट का सरचार्ज देकर एक्सप्रेस जैसी यात्रा करने को मजबूर थे। अब सुपरफास्ट सरचार्ज नहीं लगेगा लेकिन, मूल किराया वही रहेगा। श्रेणी के अनुसार यात्रियों को 15 से 75 रुपये तक की बचत होगी।

नए साल से इन ट्रेनों के नंबर भी बदल जाएंगे। दरअसल, बाद में जनप्रतिनिधियों की मांग पर अलग-अलग स्टेशनों पर ठहराव बढ़ते गए। इससे ट्रेन का कुल यात्रा समय बढ़ा और औसत गति प्रभावित हुई। जिससे औसत गति निर्धारित मानक से नीचे आ गई थीरेलवे के नियमों के अनुसार ब्राडगेज (बड़ी रेल लाइन) पर सुपरफास्ट श्रेणी में बने रहने के लिए ट्रेन की औसत गति कम से कम 55 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए।30 ट्रेनें इस मानक को पूरा नहीं कर पा रही थीं। इन ट्रेनों को जिस समय सुपरफास्ट के रूप में शुरू किया गया था, उस समय इनके ठहराव कम थे।

अधिकतम गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा होने के बावजूद अधिक ठहराव के कारण औसत गति कम हो सकती है। इसलिए श्रेणी बदलने का मतलब यह नहीं है कि ट्रेन की अधिकतम रफ्तार घटा दी जाएगी या यात्रा में समय बढ़ जाएगा।दो एक्सप्रेस ट्रेनों को मिला सुपरफास्ट का दर्जा

दूसरी ओर, निर्धारित औसत गति का मानक पूरा करने वाली दो एक्सप्रेस ट्रेनों को सुपरफास्ट श्रेणी में शामिल किया गया है। अब इन ट्रेनों में सुपरफास्ट सरचार्ज भी देना होगा। वहीं, 30 ट्रेनों के नंबर अलग-अलग निर्धारित तिथियों पर बदलेंगे। जिस तारीख से नया नंबर लागू होगा, उसी तारीख से आनलाइन टिकट बुकिंग प्लेटफार्म पर नया नंबर दिखाई देगा। बदलाव की तारीख से पहले की बुकिंग में पुराना नंबर ही दर्ज रहेगा।

सुपरफास्ट श्रेणी का निर्धारण ट्रेन की औसत गति के आधार पर होता है। निर्धारित मानक पूरा नहीं करने वाली ट्रेनों को सामान्य एक्सप्रेस श्रेणी में किया गया है। इससे यात्रियों को सुपरफास्ट सरचार्ज नहीं देना पड़ेगा। श्रेणी बदलने से ट्रेन की अधिकतम रफ्तार या निर्धारित यात्रा समय पर कोई असर नहीं पड़ेगा।-महेश यादव, सीनियर डीसीएम

38 IAS अधिकारियों के तबादले: अनुज सिंह बने एलडीए वीसी, प्रथमेश कुमार को सीतापुर की कमान

- कई जिलों के डीएम, नगर आयुक्त, सीडीओ और विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष बदले गए, यमुना व ग्रेनो प्राधिकरण में भी बड़े बदलाव

उत्तर प्रदेश शासन ने शुक्रवार देर रात प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। अनुज सिंह को एलडीए का नया उपाध्यक्ष और प्रथमेश कुमार को सीतापुर का डीएम बनाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार रात प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए एक साथ 38 आईएएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इस बड़े तबादले में कई जिलों के जिलाधिकारी (डीएम), नगर आयुक्त, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), विशेष सचिव और प्रमुख विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों व अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (एसीईओ) को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रमुख जिलों के जिलाधिकारी और एलडीए वीसी बदले गए शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार, अनुज सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) का नया उपाध्यक्ष बनाया गया है। अब तक एलडीए उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रथमेश कुमार को सीतापुर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि सीतापुर के जिलाधिकारी राजागणपति आर को राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) का निदेशक बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, महाराजगंज के जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल को सिद्धार्थनगर का डीएम और सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को महाराजगंज का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को नगर विकास विभाग में विशेष सचिव के पद पर भेजा गया है, वहीं ग्रेटर नोएडा के एसीईओ सुनील कुमार सिंह को मुजफ्फरनगर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग में विशेष सचिव रहे जोगिंदर सिंह को बिजनौर का जिलाधिकारी बनाया गया है, जबकि बिजनौर के डीएम उमेश प्रताप सिंह को लोक निर्माण विभाग का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। वाराणसी व गाजियाबाद के नगर आयुक्त समेत कई सीडीओ का स्थानांतरण-नगर निगमों और जिलों के विकास कार्यों को गति देने के लिए कई नगर आयुक्तों और मुख्य विकास अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। वाराणसी के नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल को गाजियाबाद नगर निगम का नगर आयुक्त बनाया गया है, जबकि गोरखपुर के मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी वाराणसी के नए नगर आयुक्त होंगे। विशेष सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभिषेक कुमार को गोरखपुर का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है।

इसी क्रम में अयोध्या के मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है और वहाँ तैनात राजेश कुमार को अयोध्या का मुख्य विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है। फतेहपुर के सीडीओ पवन कुमार मीना को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है, जबकि पूनम निगम को फतेहपुर का नया मुख्य विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्रावस्ती के सीडीओ शाहिद अहमद को डॉ. राम मनोहर लोहिया प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में अपर निदेशक बनाया गया है और शिशिर कुमार सिंह श्रावस्ती के नए मुख्य विकास अधिकारी होंगे। अलीगढ़ के सीडीओ योगेंद्र कुमार को फिरोजाबाद का सीडीओ बनाया गया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण में भी बड़ा फेरबदल-प्रदेश के औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में भी बड़े स्तर पर अधिकारियों की अदला-बदली की गई है। गाजियाबाद के नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को मेरठ विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय कुमार मीणा और फिरोजाबाद के मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन (शोहन) वैश्य को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है।

मेरठ की मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल और प्रवीण वर्मा को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में एसीईओ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी का भी तबादला किया गया है और बरेली के अपर आयुक्त प्रीति जायसवाल को नोएडा का एसीईओ बनाया गया है। यमुना प्राधिकरण से शैलेन्द्र कुमार सिंह को अलीगढ़ का सीडीओ बनाया गया है। इसके साथ ही डॉ. नितिन मदान को उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) का संयुक्त प्रबंध निदेशक, बरेली मंडल के अपर आयुक्त मनोज कुमार को वाराणसी मंडल का अपर आयुक्त, अतुल कुमार को बरेली मंडल का अपर आयुक्त, मंजूलता को मुरादाबाद नगर निगम का अपर नगर आयुक्त तथा प्रतिभा सिंह को कानपुर मंडल का अपर आयुक्त नियुक्त किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

15 साल से वेतन को तरस रहे 60 सफाई कर्मी, अब खुली 4.81 लाख रुपये के गायब होने की पोल

मुरादाबाद में 60 सफाई कर्मचारियों का 15 साल से रुका 4.81 लाख रुपये का वेतन घोटाला सामने आया है। कोषाधिकारी की नई रिपोर्ट ने पुरानी जांच को गलत साबित करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।



कोषाधिकारी की रिपोर्ट ने खोली पुरानी जांच की पोल- अब 15 साल बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई की है तैयारी सरकारी फाइलों में चार चेक जारी होने का हिसाब तो दर्ज है, लेकिन उन चेकों से निकली 4.81 लाख रुपये की धनराशि आखिर कहां गई, इसका जवाब 15 साल बाद भी विभाग नहीं दे पाया। छजलैट ब्लाक के 60 सफाई कर्मचारियों के बकाया वेतन से जुड़े इस मामले में अब कोषाधिकारी की ताजा रिपोर्ट ने पुरानी जांच के निष्कर्ष पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस धनराशि को पहले शासन को समर्पित मान लिया गया था, कोषाधिकारी ने स्पष्ट कर दिया कि वह रकम शासन को वापस की ही नहीं गई। अब जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर शासन को रिपोर्ट भेजने की कार्रवाई शुरू हुई है।वर्ष 2011 में सफाई कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान के लिए चार चेक जारी किए गए थे। इनकी कुल धनराशि 4,81,082 रुपये थी। चेक समय से भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किए गए और उनकी अवधि समाप्त हो गई। नतीजा यह हुआ कि कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला और सरकारी धनराशि का हिसाब भी अधूरा रह गया। कर्मचारियों के संगठन ने 27 मई 2023 को मुख्य विकास अधिकारी से शिकायत की तो जांच समिति गठित हुई। जिला विकास अधिकारी की 26 सितंबर 2023 की रिपोर्ट में चारों चेकों का ब्योरा सामने आया। इसके बाद जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय ने बकाया भुगतान के लिए शासन से अतिरिक्त बजट की मांग भी की, लेकिन कर्मचारियों को उनका हक नहीं मिला।मामले की जांच में एक पुराने कोषागार प्रमाणपत्र के आधार पर यह मान लिया गया था कि चेकों की धनराशि शासन को वापस कर दी गई है लेकिन, मुख्य कोषाधिकारी ने 14 अक्टूबर 2026 को लिखित में इस निष्कर्ष को गलत ठहरा दिया। स्पष्ट किया कि कोषागार से बिल पारित होने पर संबंधित अधिकारी के आवंटित बजट से रकम घटाई गई थी, इसे शासन को धनराशि समर्पित करना नहीं माना जा सकता। रकम वापस जमा कराने की जिम्मेदारी आहरण-वितरण अधिकारी की थी। यानी कर्मचारियों का भुगतान भी नहीं हुआ और धनराशि शासन को लौटाए जाने का दावा भी सही नहीं निकला। यह धनराशि किसकी जेब में गई, यह पता नहीं लग पाया है। अब 15 दिन में तय होगी जवाबदेही- संयुक्त विकास आयुक्त विनय कुमार तिवारी ने 29 अक्टूबर 2026 को उप निदेशक पंचायत को पत्र जारी कर 15 दिन में साक्ष्यों सहित बिंदुवार रिपोर्ट मांगी है। इसमें धनराशि की वर्तमान लेखा स्थिति स्पष्ट करने, कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान का रास्ता निकालने और रकम वापस न करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका तय करने के निर्देश दिए हैं। प्रथम दृष्टया दोषी मिलने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का प्रस्ताव भी मांगा है।

अंगनबाड़ी भर्ती घोटाला: अब अफसरों में छिड़ी जंग, DPO के खिलाफ CDPO ने खोला मोर्चा; रबर स्टांप बनाने का आरोप

मुरादाबाद में आंगनबाड़ी भर्ती में अनियमितताओं को लेकर बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) ने जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) शैलेंद्र राय पर मोर्चा खोल दिया है।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका चयन में अनियमितताओं को लेकर विभाग के भीतर ही आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कार्रवाई की रिपोर्ट में सीडीपीओ की जवाबदेही तय हो जाने के बाद अब बाल विकास परियोजना अधिकारियों ने जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) शैलेंद्र राय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। तीन सीडीपीओ ने मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजकर भर्ती की पूरी प्रक्रिया डीपीओ और उनकी टीम के स्तर से संचालित किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दो टूक कहा है कि चयन में उनकी भूमिका रबर स्टांप से ज्यादा नहीं रही।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीआईजी मुनिराज ने संभाला कार्यभार

कानून- व्यवस्था, आगामी चुनाव पर रहेगा विशेष फोकस

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में हुए फेरबदल के बाद 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी मुनिराज जी ने शुक्रवार को बरेली रेंज के नए डीआईजी के रूप में कार्यभार संभाल लिया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता कर अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेंज के सभी चार जिलों की कानून-व्यवस्था पर उनकी पैनी नजर रहेगी और अपराध नियंत्रण के साथ बेहतर पुलिसिंग उनकी प्राथमिकता होगी।

मीडिया से बातचीत में डीआईजी मुनिराज जी ने कहा कि रेंज के सभी जिलों में होने वाली घटनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी। जिलों के पुलिस कप्तानों को जरूरत के मुताबिक दिशा-निर्देश देने के साथ ही हरसंभव सहयोग भी किया जाएगा, ताकि कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके।

प्रेस वार्ता के दौरान चारों जिलों की कानून-व्यवस्था, पुलिस की कार्यप्रणाली और आगामी विधानसभा चुनाव की चुनौतियों को लेकर भी चर्चा हुई। उन्होंने संकेत दिया कि चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना भी पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। गौरतलब है कि पुलिस विभाग में हुए तबादलों के तहत पूर्व डीआईजी अजय साहनी को मुरादाबाद रेंज का डीआईजी नियुक्त किया गया है। वहीं, मुनिराज जी ने बरेली रेंज की कमान संभाल ली है।

पुराने चेहरों पर ही कांग्रेस का भरोसा, फिर मिल सकती है कमान

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) । कांग्रेस संगठन में फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन के बजाय पुराने चेहरों पर ही भरोसा जताया जाएगा। लखनऊ में आयोजित संगठन संवाद संकल्प कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के जिला कांग्रेस अध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों को दोबारा जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया गया। कार्यशाला में बरेली के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना की मौजूदगी में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी जिलों में वर्तमान जिला और महानगर अध्यक्षों को फिर से जिम्मेदारी दी जाएगी। इससे संगठन में निरंतरता बनी रहेगी और आगामी कार्यक्रमों का संचालन प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। डॉ. मेहंदी हसन ने कहा कि बरेली लौटने पर जिला अध्यक्ष अशफाक सकलैनी और महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा का स्वागत किया जाएगा। इस दौरान रमेश श्रीवास्तव, जीशान अफरीदी, तीरथ मधुकर समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ओटीएस का लाभ लेने को नहीं मिला पूरा वक्त, तारीख बढ़ाने की मांग

बरेली। (ब्यूरो)। नगर निगम की एकमुश्त समाधान (ओटीएस) योजना की समय सीमा बढ़ाने की मांग उठी है। पार्षद राजेश अग्रवाल और नेता पार्षद दल सपा गौरव सक्सेना ने प्रमुख सचिव विकास गुरु प्रसाद काले और मुख्यमंत्री के विशेष सचिव को ई-मेल भेजकर योजना की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2026 या 31 मार्च 2027 तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। उन्होंने पत्र में कहा कि योजना 15 अगस्त से शुरू हुई थी, लेकिन अधिकारियों की कार्यशैली और सॉफ्टवेयर अपडेट में देरी के कारण इसका लाभ उपभोक्ताओं को अपेक्षित तीन महीने तक प्रभावी ढंग से नहीं मिल सका। ब्याज माफी की नीति में बदलाव और बीच में पड़ने वाली छुट्टियों के कारण भी कई उपभोक्ता योजना का पूरा लाभ नहीं उठा पाए। पार्षदों ने मांग की है कि योजना की समय सीमा बढ़ाने के साथ ही ब्याज माफी की गणना की शुरुआत की तारीख में भी बदलाव किया जाए। उनका कहना है कि अन्य नगर निकायों की तरह बरेली में भी ब्याज की शुरुआत की तारीख से छूट दी जानी चाहिए, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को एकमुश्त समाधान योजना का लाभ मिल सके।



जनगणना-2027: राशन की दुकानों से चलेगा स्व-गणना का महाअभियान

बरेली। (ब्यूरो) भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 से 30 नवंबर 2026 तक चलने वाले स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसील सदर सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में महानगर के उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम संतोष कुमार सिंह ने कोटेदारों को स्व-गणना की प्रक्रिया और इसके राष्ट्रीय महत्व की जानकारी दी। उन्होंने निर्देश दिए कि 16 से 30 नवंबर तक राशन की दुकानों पर आने वाले प्रत्येक कार्डधारक और आम नागरिक को स्वयं अपनी गणना करने के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही उन्होंने अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार और स्व-गणना में जुटी टीमों को पूरा सहयोग देने को कहा। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने भी सभी विक्रेताओं को इस राष्ट्रीय कार्य को प्राथमिकता देते हुए सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। बैठक में महानगर के समस्त उचित दर विक्रेता और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।



आईआईटी बॉम्बे के अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता, ओलंपियाड के फाइनल में पहुंचे

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) बीबीएल पब्लिक स्कूल, अलखनाथ रोड के दो विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। आईआईटी बॉम्बे की राष्ट्रीय उद्यमिता चुनौती जूनियर (एनईसी) में विद्यालय ने 77वीं रैंक हासिल की है। साथ ही कक्षा सात के कुंज गंगवार और कक्षा 10 के मृगांक सक्सेना ने अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता ओलंपियाड के फाइनल में जगह बनाई है। दोनों विद्यार्थी 12 दिसंबर को आईआईटी बॉम्बे में होने वाली प्रतियोगिता में अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत करेंगे। वहीं, छह अन्य विद्यार्थी एनईसी जूनियर की ई-सबमिट प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस सफलता में शिक्षक समन्वयक ऋतुराज अग्रवाल और सोनिका शर्मा का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के अध्यक्ष सर्वेश कुमार अग्रवाल, प्रबंधक राघव कृष्ण अग्रवाल और प्रधानाचार्य डॉ. श्यामेश कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई दी।

सड़क हादसों में अब देवदूत बनेगी ट्रैफिक पुलिस, 200 जवानों ने सीखे फर्स्ट एड के गुर

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) सड़क हादसों के दौरान घायलों को गोल्डन आवर में तत्काल उपचार देकर उनकी जान बचाने के उद्देश्य से शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित रविन्द्रालय सभागार में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यातायात माह नवम्बर-2026 के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज की विशेषज्ञ टीम ने पुलिसकर्मियों को प्राथमिक चिकित्सा और सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया । कार्यशाला का मुख्य लक्ष्य यातायात पुलिस, यूपी-112 और सीसीटीएनएस टीम को एक कुशल फर्स्ट रिस्पॉन्डर% के रूप में तैयार करना था। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) मो. अकमल खान की मौजूदगी में इमरजेंसी विभाग के एचओडी डॉ. एस.के. राय, डॉ. हर्षित अग्रवाल, ईआर आफरीन आलम, स्टाफ नर्स मानवी यादव और अंकित मिश्रा ने आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की बारीकियां समझाईं। कार्यक्रम में यातायात निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह सहित विभिन्न इकाइयों के लगभग 200 अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

कनपटी पर गोली मारकर युवक ने की आत्महत्या, मौके पर पहुंचे एसपी सिटी जांच में जुटी पुलिस

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम बादशाहनगर में शनिवार सुबह एक युवक का गोली लगा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव के ही मिथुन के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है, क्योंकि युवक ने घटना से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर अपने अंतिम दिन होने संबंधी स्टेटस लगाए थे।

जानकारी के अनुसार, 14 नवंबर की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि बादशाहनगर में मिथुन नाम के युवक की गोली लगने से मौत हो गई है। सूचना मिलते ही सीबीगंज थाना प्रभारी फील्ड यूनिट और एसपी सिटी चिराग जैन तत्काल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम के माध्यम से साक्ष्य संकलित किए।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की दाहिनी कनपटी पर गोली लगने का निशान पाया गया है। घटनास्थल पर युवक के पैरों के पास एक तमंचा पड़ा हुआ बरामद हुआ है। इसके अलावा पुलिस ने मौके से मृतक का मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली है।

सोशल मीडिया स्टेटस से मिला अहम सुराग-जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक ने शुक्रवार दोपहर बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ स्टेटस लगाए थे। इन स्टेटस में उसने अपने अंतिम दिन होने जैसी बातें लिखी थीं। इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या मानकर चल रही है। सीवीगंज पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही करते हुए घटना की समस्त परिस्थितियों का अनावरण किया जाएगा।सिटी जांच में जुटी पुलिस

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने जनगणना और खानपान को लेकर किया जागरूक, दी गई जानकारी

@ क्यूँ न लिखूँ सच







फतेहगंज पश्चिमी। शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश शुक्ला ने जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत स्वगणना प्रक्रिया के प्रचार-प्रसार को लेकर कस्बे के व्यापारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों और स्थानीय लोगों को स्वगणना की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी तथा अपने परिवार के सभी सदस्यों का स्वगणना के माध्यम से पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनगणना की प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश शुक्ला ने खाद्य सुरक्षा एवं शुद्ध खानपान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और शुद्ध आहार ही स्वस्थ जीवन का आधार है। लोगों को खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता की पहचान कर ही उनका सेवन करना चाहिए, ताकि विभिन्न बीमारियों से बचा जा सके।

उन्होंने व्यापारियों को जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य पदार्थों का निर्माण, बिक्री एवं कारोबार करने वाले सभी संबंधित कारोबारियों के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग से पंजीकरण अथवा लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। उन्होंने लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया और उसके नवीनीकरण के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश शुक्ला ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक और जानलेवा साबित हो सकता है। इसलिए प्रत्येक खाद्य कारोबारी को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करना चाहिए। उन्होंने मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए व्यापारियों से विभाग का सहयोग करने की अपील भी की।

इस मौके पर सतीश अग्रवाल, इरफान अंसारी, अमित गोयल, दीपक गोयल, मोहम्मद असफ, सोहेल सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

चेयरमैन क्रिकेट कप के तीसरे दिन हुए दो मैच

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा के रबड़ फैक्ट्री मैदान में चल रहे चेयरमैन क्रिकेट कप के तीसरे दिन दो मैच खेले गए। पहला मैच सनी सिंह की बरेली रायल और नफीश अहमद की अगरास क्लब के बीच हुआ। बरेली रायल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 30 रन बनाए। जबाब में अगरास क्लब ने दो विकेट रहते 32 रन बनाकर मैच जीत लिया। अगरास क्लब के खिलाड़ी उबैश ने चार विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया।

दूसरा मैच अजय रावत की रावत क्रिकेट अकादमी और इरफान की केसरपुर क्रिकेट टीम के बीच हुआ। रावत क्रिकेट अकादमी ने 10 ओवर में 66 रन बनाए।जिसमें अजय रावत ने दो चौआ और छक्के जड़कर 35 रन बनाए।ज़बाब में दूसरी केसरपुर क्रिकेट टीम ने 67 बनाकर अपने नाम कर लिया। दूसरे मैच में दूसरी टीम के पांच विकेट लेने वाले रानिक को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

रानिक के पिता महर सिंह ने बताया कि वह डायल 112 पर तैनात हैं और रानिक की मां पुष्पा देवी थाना फतेहगंज पश्चिमी में तैनात हैं। उन्होंने कहा कि वह बचपन से क्रिकेट के शौकीन हैं, लेकिन किसी कारणवश अपना सपना पूरा नहीं कर पाए।अब बेटे को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करके अपना सपना पूरा करेंगे।

इस मौके पर ईओ पुष्पेंद्र सिंह राठौर, हारून चौधरी हसनैन अंसारी, रिजवान, कासिम, विक्की, पंकज, विक्की भारती, उदय कुमार, जयबाबू भारती, उपदेश कुमार, मुनीश कुमार, अनमोल गुर्जर, अभिषेक पटेल सहित कई दर्शक मौजूद रहे।

रेलवे पुल के पास ट्रेन से कटकर 28 वर्षीय युवक की मौत

फतेहगंज पश्चिमी। शनिवार सुबह करीब सात बजे घर से रामपुर बैटरी फैक्ट्री जाने के लिए निकले 28 वर्षीय सोवरन पुत्र रूपराम की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतक के भाई कृष्णपाल ने बताया सोवरन रामपुर बैटरी निर्मित फैक्ट्री में मजदूरी करता था।शनिवार सुबह घर से रामपुर बैटरी फैक्ट्री जाने के लिए निकले थे। उनके साथ गांव दो लोग और थे। धनेटा फाटक पहुंचने पर अचानक वह रेलवे ट्रैक पर भाकड़ा नदी रेलवे पुल की ओर चल दिए साथ के लोगों ने रोका भी।लेकिन उन्होंने कह दिया बस अभी आया।पुल के पास पहुंचने पर वह दिल्ली से बरेली की ओर आ रही डाउन लाइन पर सवारी ट्रेन की चपेट में आ गए।हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।सूचना मिलने पर घर में कोहराम मच गया।परिजन घटना स्थल पर पहुंच गए। पिता रूपराम, मां रुक्मणि देवी,पत्नी अनीता देवी, बेटी साक्षी और छोटे बेटे प्रशांत का रो-रोकर बुरा हाल है।भाई ने बताया की सोवरन के साथ गांव के छोटेलाल उर्फ जगन्नाथ और हरपाल भी थे। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने सोवरन के शब को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम को भेजा है।

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज नगलिया जट में शनिवार को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी अमित सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य रघुपति देव ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बाल दिवस के महत्व, पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, व्यक्तित्व और बच्चों के प्रति उनके विशेष स्नेह पर विचार व्यक्त किए। साथ ही राष्ट्र निर्माण में बच्चों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रधानाचार्य रघुपति देव ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अच्छे संस्कार और उचित मार्गदर्शन आवश्यक हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी अमित सिंह ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मतदाता जागरूकता के संबंध में जानकारी दी और सभी को जागरूक किया। उन्होंने विद्यालय में निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को उपहार वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन चेतना गौड़ ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बाल दिवस पर 350 विद्यार्थियों को नि:शुल्क केले वितरित किए

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । अमरपुर काशी स्थित श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के लगभग 350 विद्यार्थियों को नि:शुल्क केले वितरित कर खुशियों का उत्सव मनाया गया। प्रधानाचार्य भानु प्रताप गंगवार की प्रेरणा से बिलारी के फल विक्रेता दीपक कुमार ने विद्यालय पहुंचकर सभी भैया-बहनों को केले वितरित किए। इस सराहनीय पहल पर विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर उनका अभिनंदन किया और आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए

प्रेरणादायक प्रसंगों, बोध कथाओं एवं गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार, अनुशासन और सेवा भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर ऋषिपाल सिंह, पद्मेंद्र सिंह यादव, राकेश कुमार, वीरेश यादव, ओमकार मौर्य, गजेंद्र सिंह यादव, मीनू यादव, कंचन यादव, प्रीति यादव, प्रीति शर्मा, कुसुम लता सैनी, दीपांशी गंगवार और कशिश गंगवार सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। विद्यालय परिवार ने दीपक कुमार के सेवाभावी कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

नेहरू जयंती पर बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद में भी दिखाया उत्साह



@ क्यूँ न लिखूँ सच

समोदिया रामपुर । रुस्तम नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना सभा के पश्चात विद्यालय के आचार्यों, अतिथियों, वंदना प्रमुख, कन्या भारती के पदाधिकारियों एवं छात्राओं ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर छात्रा शिवानी पाल द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू का स्वर्णिम चित्र बनाकर लाया गया। प्रधानाचार्य ने मंच से सभी विद्यार्थियों को चित्र दिखाते हुए शिवानी की प्रतिभा की सराहना की और उसे 50 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया। बाल दिवस पर आयोजित बाल सभा में विद्यार्थियों ने अंग्रेजी संभाषण, गीत, कविता एवं भाषण के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रिफा नूर, अलवीरा, तनु, आंचल, आकृति गंगवार, ख्याति राजपूत, कनिका, पायल, साक्षी, रोशनी, योगिता, सलोनी, नीरज, मानसी, विवेक, रजिया, अनामिका, अंशिका, दीक्षा एवं जसमीत ने विभिन्न प्रस्तुतियों में भाग लिया। शिक्षक संजय राजपूत ने काव्य पाठ के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन बाल भारती अध्यक्ष सुहानी, मंत्री आर्य एवं सेनापति अर्शिया ने किया। मुख्य वक्ता धर्मेंद्र कुमार मौर्य ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन एवं व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने की। उन्होंने विद्यार्थियों से वर्ष 1947 से अब तक देश के प्रधानमंत्रियों के विषय में चर्चा करते हुए प्रश्नोत्तरी आयोजित की, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिए। उन्होंने चौधरी चरण सिंह का प्रेरक प्रसंग एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़े संस्मरण भी सुनाए।

कार्यक्रम में बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, समानता, खेल एवं मनोरंजन तथा अपने विचार रखने के अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही संदेश दिया गया कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर सभी बच्चों को टॉफियां वितरित की गईं तथा जलपान कराया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी एवं खो-खो सहित विभिन्न खेलों में भाग लेकर बाल दिवस का आनंद लिया। कार्यक्रम में उमेश कुमार, बृजकिशोर मौर्य, दिलीप कुमार, संजय सिंह, गौरव सिंह, सुनील कुमार, प्रेमपाल, अनिल कुमार, प्रकाश बाबू, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, रंगोली प्रमुख अंजली मौर्य, विनीता, सेविका कलावती सहित विद्यालय परिवार का सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त जन शिक्षा समिति द्वारा संचालित डॉ. भीमराव अंबेडकर सरस्वती संस्कार केंद्र पीपलसाना में केंद्र संचालक अनिल कुमार के नेतृत्व में नेहरू जयंती मनाई गई। वहीं दीपचंद मौर्य सरस्वती शिशु मंदिर रुस्तम नगर में भी बाल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों ने खेलकूद में भाग लिया।

रानी प्रीतम कुंवर स्कूल में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस, खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया उत्साह



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । रानी प्रीतम कुंवर स्कूल में शुक्रवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर नर्सरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रंजीत ईश्वर एवं परमानंद सक्सेना ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को बाल दिवस के महत्व के बारे में बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं।

प्रत्येक विद्यार्थी में खेल भावना होनी चाहिए और जीत-हार दोनों को समान सहजता एवं सकारात्मकता के साथ स्वीकार करना चाहिए।

इस दौरान विभिन्न आयु वर्गों के विद्यार्थियों के लिए बॉल एंड बकेट रेस, कोन चैलेंजर, स्प्रिंट रेस, म्यूजिकल बॉल चैलेंज, ऊंची कूद, रस्साकशी, लेग रेज, रिंग कलेक्शन तथा कलेक्ट एंड थ्रो इन बास्केट जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रतियोगिताओं में बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया।

नन्हे-मुन्ने बच्चों की खेल गतिविधियों और उनकी प्रसन्नता ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने खेलों का आनंद लेने के साथ ही अपने साथियों का उत्साहवर्धन भी किया। कार्यक्रम का आयोजन पीटीआई नादिर रजा तथा गतिविधि प्रभारी नायला खान एवं अमित सक्सेना के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरित किया गया। हंसी, उमंग और उल्लास के बीच बाल दिवस समारोह संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

रेड रोजेज स्कूल में धूमधाम से मनाया बाल दिवस

फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के रेड रोजेज स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।स्कूल प्रबंधक अजय सक्सेना ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और अनुशासन को भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया।प्रधानाचार्य प्रियंका सक्सेना ने बाल दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि बाल दिवस बच्चों के अधिकारों, खुशियों और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूकता का संदेश देता है।इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ और बच्चे मौजूद रहे।





हरिति पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

फतेहगंज पश्चिमी। धनेटा के हरिति पब्लिक स्कूल में बाल दिवस को खेल कूद प्रतियोगिता के रूप में मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य सौभाग्य चौधरी ने चाचा नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालकर की। इसके बाद प्रधानाचार्य ने सब जूनियर वर्ग की 100 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विद्यालय परिसर में दौड़, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, रस्साकशी और क्रिकेट जैसी विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिसमें जल, वायु, अग्नि एवं पृथ्वी हाउस के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक नरेंद्र चौधरी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।





शाइनिंग स्टार्स एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस, बच्चों के चेहरों पर दिखी खुशी



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच। (अमरीक सिंह)मटेरा चौराहा स्थित शाइनिंग स्टार्स एकेडमी में 14 नवंबर 2026 को बाल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उमंग देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों के उत्साहवर्धन और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से बच्चों के लिए विशेष नाश्ते की व्यवस्था भी की गई। विद्यालय प्रबंधक देवेंद्र प्रसाद ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। वहीं प्रधानाचार्य संतोष कुमार वर्मा ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर शिक्षक अरविंद कुमार, सर्वजीत सिंह, राम कुमार, अजय कुमार, अमरदीप सिंह, मनोज कुमार, प्रियंका देवी, अशोक कुमार, लक्ष्मी, संतोषी लाल, अर्जुन प्रसाद, रामकरन, लक्ष्मी वर्मा, दीपिका, चमन, ललिता, महिमा पाठक सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

रामगांव पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बहराइच। (अमरीक सिंह) जनपद में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामगांव पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देश पर वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार के निर्देशन तथा थानाध्यक्ष दिवाकर तिवारी के नेतृत्व में रामगांव पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, शनिवार 14 नवंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मुकदमा संख्या 405/2026 धारा 303(2) बीएनएस में वांछित आरोपी सल्लू उर्फ सलमान पुत्र मोहम्मद हसीब निवासी खैरटिया हमीनपुर, थाना रामगांव, जनपद बहराइच को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की निशानदेही पर सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या UP40 AD 6322 बरामद की गई।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2023 में थाना रामगांव में चोरी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2026 में थाना दरगाह शरीफ में भी मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष दिवाकर तिवारी, उपनिरीक्षक हेमंत कुमार सिंह (चौकी प्रभारी हाईवे), उपनिरीक्षक मैनेजर सिंह, कांस्टेबल सोनू यादव एवं कांस्टेबल कृष्ण कुमार शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

अधिबक्ताओं के लिए खतरा बना बिधुत ट्रांसफार्मर को बिधुत विभाग ने हटाया

कोंच(जालौन)मुंसिफ कोर्ट परिसर के बाहर रखा बिधुत ट्रांसफार्मर अधिबक्ताओं एवं वादकारियों के लिए खतरा बना हुआ था जिस पर अधिबक्ताओं ने सिविल जज जूनियर डिवीजन को पत्र लिखकर इसे हटाने की मांग की थी जिस पर जज साहब की पहल पर बिधुत विभाग ने ट्रांसफार्मर को अनियत्र शिफ्ट कर दिया। उरई रोड स्थित मुंसिफ कोर्ट परिसर के बाहर पार्किंग स्थल के पास ही बिधुत ट्रांसफार्मर रखा हुआ था जिस पर कभी भी कोई फाल्ट होने पर अधिबक्ताओं एवं वादकारियों को खतरा बना हुआ था इसी को लेकर अधिबक्ता राहुल गुप्ता ने जूनियर डिवीजन जज सतनाम यादव को पत्र सौंपकर सुरक्षा की दृष्टिकोण से ट्रांसफार्मर को अनियत्र शिफ्ट कराए जाने की मांग की थी क्योंकि उक्त ट्रांसफार्मर से हादसा होने का खतरा बना रहता था जिस पर सिविल जज ने तुरंत संज्ञान लेते हुए बिधुत विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जिसके अनुपालन में बिधुत विभाग ने तुरत कार्यवाही करते हुए बिधुत ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर स्थान्तरित करा दिया जिस पर अधिबक्ताओं ने सिविल जज का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर वार संघ कोषाध्यक्ष सुधीर दुबे वृजेन्द्र वाजपेयी दीपक मिश्रा अर्पित वाजपेयी राहुल गुप्ता गजेंद्र विजय अग्रवाल विनय गुप्ता सहित काफी संख्या में अधिबक्ता मौजूद रहे।

दिनारा में दहेज हत्या का आरोपी 4 घंटे में गिरफ्तार, पुलिस ने घर से दबोचा

शिवपुरी/दिनारा। दिनारा थाना पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराध दर्ज होने के महज चार घंटे के भीतर मृतिका के पति आरोपी अभिषेक उर्फ कल्ला यादव (35) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के घर ग्राम चंदावरा से उसे पकड़ा और घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी जब्त की है।



पुलिस के अनुसार, थाना दिनारा में दर्ज मर्ग क्रमांक 39/26 की जांच, गवाहों के बयान और मृतिका गुड़िया उर्फ रिचा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर उसके पति अभिषेक उर्फ कल्ला यादव के विरुद्ध प्रथम दृष्टया अपराध प्रमाणित पाए जाने पर अपराध क्रमांक 289/26 दर्ज किया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 80(2), 85 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

महिला संबंधी गंभीर अपराध को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी करैरा विनायक शुक्ला के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की गई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम चंदावरा स्थित आरोपी के घर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई में एसडीओपी विनायक शुक्ला, थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अरविंद छारी, सहायक उपनिरीक्षक बृजराज सिंह यादव सहित पुलिस टीम के अन्य जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस, 32 प्रतिभाशाली बच्चों को किया गया सम्मानित

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बहराइच। (अमरीक सिंह) बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को पुलिस लाइन बहराइच में वामा सारथी की ओर से वामा खेलोत्सव एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वामा सारथी जनपद बहराइच की अध्यक्षा श्रीमती संयुक्ता श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं टेबल टेनिस खेलकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया और केक काटकर बच्चों के साथ बाल दिवस की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अगस्त माह में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 32 प्रतिभाशाली बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अध्यक्षा श्रीमती संयुक्ता श्रीवास्तव ने बच्चों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिताओं में 12 वर्ष तक और 12 से 15 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों ने लंबी कूद, दौड़, जैवलिन थ्रो, गोला फेंक और रिले रेस जैसी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। विजेता बच्चों में आर्यन यादव, अनुप्रिया यादव, नारायन गोस्वामी, आकृति सिंह, सुमित गुप्ता, माही यादव, शिवांश पटेल, करिश्मा, पियूष पाल, अंशिका शर्मा सहित अन्य प्रतिभागी शामिल रहे। रिले रेस में भी बालक एवं बालिका टीमों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस परिवार के बच्चों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं, विशेषकर खेलो इंडिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक श्री दिलीप द्विवेदी, पीएमएस स्कूल की प्रधानाचार्या एवं वामा सारथी सदस्य श्रीमती निशा सिंह सहित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, स्कूल प्रबंधन के सदस्य एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

राधिका कुणाल रघुवंशी को मिला 'मिसेज फोटोजेनिक' अवॉर्ड, मिस एंड मिसेज मध्य प्रदेश प्रतियोगिता में हासिल किया 30वाँ स्थान

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा। (हाकम सिंह रघुवंशी)शहर की प्रतिभाशाली महिला एवं अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय महापरिषद, विदिशा महिला विंग की नगर अध्यक्ष श्रीमती राधिका कुणाल रघुवंशी ने मिस एंड मिसेज मध्य प्रदेश प्रतियोगिता में सहभागिता कर विदिशा का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता में उन्होंने 30वाँ स्थान प्राप्त करने के साथ ही प्रतिष्ठित 'मिसेज फोटोजेनिक अवॉर्ड' अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें ताज पहनाकर एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राधिका रघुवंशी की इस उपलब्धि को उनके आत्मविश्वास, आकर्षक व्यक्तित्व, प्रतिभा और कुछ नया करने के जज्बे का परिचायक माना जा रहा है। उन्होंने यह साबित किया कि महिलाओं की प्रतिभा किसी उम्र या दायरे की मोहताज नहीं होती। यदि मन में कुछ करने का उत्साह और स्वयं को साबित करने का संकल्प हो, तो हर मंच अपनी पहचान बनाने का अवसर बन सकता है।

इस उपलब्धि पर अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय महापरिषद, विदिशा महिला विंग की जिलाध्यक्ष सहित महिला विंग की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए राधिका कुणाल रघुवंशी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। पदाधिकारियों ने कहा कि राधिका की सफलता महिला सशक्तीकरण और आत्मविश्वास की भावना को प्रोत्साहित करने वाली है। उनकी उपलब्धि से संगठन के साथ-साथ विदिशा का भी मान बढ़ा है।

महिला विंग ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे आगे भी अपनी प्रतिभा और उपलब्धियों से समाज की महिलाओं को प्रेरित करती रहेंगी।

शमशाबाद की बसों पर परिवहन विभाग का शिकंजा, नियम तोड़ने वाले 17 वाहनों पर कार्रवाई

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा। (हाकम सिंह रघुवंशी कलेक्टर के निर्देशों के पालन में जिला परिवहन विभाग ने शनिवार को महानीम चौराहा एवं शमशाबाद में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिला परिवहन अधिकारी, विदिशा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई से नियमों की अनदेखी कर सड़कों पर दौड़ रहे वाहन संचालकों में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान यातायात एवं परिवहन नियमों का उल्लंघन करते पाए गए कुल 17 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। विभाग ने इन वाहन संचालकों से कुल 31 हजार 500 रुपये का शमन शुल्क वसूल किया।

शमशाबाद नहीं पहुंच रही थीं यात्री बसें, दो बसों पर 20 हजार का जुर्माना

इस कार्रवाई का एक प्रमुख उद्देश्य शमशाबाद के यात्रियों को हो रही परेशानी को दूर करना भी रहा। दरअसल, विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि जिन यात्री बसों का शमशाबाद बस स्टैंड पर निर्धारित स्टॉपेज है, वे बसें शमशाबाद बस स्टैंड तक जाने के बजाय सीधे महानीम चौराहे से गुजर जाती हैं। इससे स्थानीय यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए परिवहन विभाग ने विशेष जांच की। इस दौरान दो यात्री बसें निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए पाई गईं। दोनों बसों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई करते हुए प्रत्येक बस से 10-10 हजार रुपये, कुल 20 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया।

त्योहारों को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष नजर

त्योहारों के सीजन में यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए विभाग ने यात्री बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने, सुरक्षा मानकों तथा अन्य आवश्यक परिवहन नियमों की भी जांच की।परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्धारित स्टॉपेज पर बसों का संचालन सुनिश्चित कराने और परिवहन नियमों का पालन कराने के लिए विभाग द्वारा निगरानी एवं जांच जारी रखी जाएगी।

कोलारस को 3.97 करोड़ की विकास कार्यों की सौगात, बनेगा आधुनिक स्पोर्ट्स स्टेडियम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कोलारस। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कोलारस को 3.97 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देते हुए आधुनिक स्पोर्ट्स स्टेडियम और सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। 2.97 करोड़ की लागत से आधुनिक स्पोर्ट्स स्टेडियम बनाया जाएगा, जबकि ?1 करोड़ की लागत से स्टेडियम से एसडीएम कार्यालय तक सड़क का निर्माण होगा। इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि खेल बच्चों और युवाओं के शारीरिक विकास के साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। नए स्टेडियम से कोलारस क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अभ्यास, प्रशिक्षण और अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बच्चों के साथ बैडमिंटन खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। जूडो-वुशु के प्रदर्शन से प्रभावित हुए सिंधिया-कार्यक्रम में बच्चों ने इंडोर स्टेडियम में जूडो और वुशु का शानदार प्रदर्शन किया। सिंधिया ने कम उम्र में बच्चों के कौशल और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि इंडोर स्टेडियम में मैट की सुविधा और बैडमिंटन कोर्ट तैयार होने से खिलाड़ियों को बेहतर खेल वातावरण मिलेगा। पंचायत से विधानसभा तक होगा क्रिकेट का रोमांच-सिंधिया ने कोलारस में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विशेष क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कराने की घोषणा की। इसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत से टीम बनाई जाएगी। पंचायत स्तर पर विजेता टीमें ब्लॉक और फिर विधानसभा स्तर पर मुकाबला करेंगी। शिवपुरी जिले की पांचों विधानसभा कोलारस, शिवपुरी, पिछोर, करेरा और पोहरी की टीमों के बीच प्रतियोगिता आयोजित होगी। सेमीफाइनल मुकाबले शिवपुरी और फाइनल कोलारस में कराने का प्रस्ताव रखा गया। सिंधिया ने स्वयं भी प्रतियोगिता में शामिल होकर खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई। शिवपुरी की खेल प्रतिभाओं का किया उल्लेख-सिंधिया ने शिवपुरी के श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर और हाल ही में आयोजित 70वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल एथलेटिक्स चैंपियनशिप का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्होंने क्रिकेट में लावण्या और दीक्षा धाकड़ तथा राइफल शूटिंग में एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता नीरू डांडिया की उपलब्धियों को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने जनवरी में आयोजित होने वाले सांसद खेल महोत्सव में क्रिकेट के साथ बैडमिंटन प्रतियोगिताएं भी शामिल करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में कोलारस विधायक महेंद्र सिंह यादव, शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, कलेक्टर अर्पित वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रियंका शिवहरे, जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, सुरेश राठखेड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

Ghee, butter, or mustard oil: which is right for a diabetic's kitchen? The wrong choice can be detrimental to the heart.



To control diabetes, we often pay close attention to what we eat, but the oil or ghee in which our food is cooked is equally important. Desi ghee, butter, and mustard oil are widely used in Indian kitchens, but if you or someone in your family has diabetes, choosing the right fat becomes as important as your overall diet. On the occasion of World Diabetes Day 2026, celebrated every year on November 14th, let's understand in detail which option is best for diabetic patients. If you are a diabetic, limit your intake of ghee and butter - Ghee and butter contain high amounts of saturated fat. If consumed excessively, they can increase the level of LDL (bad cholesterol) in the body. High cholesterol increases the risk of heart disease, a major concern for diabetics. However, you don't need to completely eliminate traditional ghee or butter from your diet. You can consume them occasionally and in very small quantities, keeping your body's needs and lipid profile in mind. Mustard oil is a boon for heart health - On the other hand, mustard oil is rich in unsaturated fatty acids. If mustard oil is used in limited and balanced quantities, it proves to be more beneficial for heart health. However, it is also important to understand that no single oil or fat in the world can control your blood sugar levels. Know the correct method of use - Refined oils should also be chosen wisely. It is not that all refined oils are harmful to health; rather, their nutritional value depends on the source from which they are derived. You can include oils in your diet that are high in unsaturated fat. But always remember: no matter what kind of oil you use, avoid overusing it. Furthermore, avoid reheating oil that has already been used. Repeated reheating can create harmful compounds that can severely harm your health. Important tips for diabetes patients: Diabetes patients should focus on: Maintain a balanced and healthy diet. Choose healthy fat options. Minimize your intake of saturated and trans fats. Most importantly, maintain complete control over your intake. Controlling sugar isn't enough: Managing diabetes isn't just about monitoring your blood sugar levels. The goal is to reduce the risk of other serious health conditions, especially heart disease. Choosing the right oil for your daily diet is a good start. Additionally, regular physical exercise, taking your medications on time, and getting regular health checkups are crucial for long-term health.

Does the milk curdle while making jaggery kheer? Just don't make this one mistake, note the perfect recipe for Kharna Prasad.



Jaggery kheer holds special significance on Kharna of Chhath Puja, and is offered to Chhathi Maiya as Prasad. The second day of Chhath Puja is called Kharna. On this day, in the evening, jaggery kheer and roti and ghee are offered to Chhathi Maiya as Prasad. The devotee begins their 36-hour fast by eating this Prasad. Jaggery kheer is quite easy to make. However, many people make a small mistake while making jaggery kheer, which causes the milk to curdle. Let's learn the correct method of making jaggery kheer. Total Time: 40 mins Preparation Time: 10 mins Cooking Time: 30 mins Course: Desserts Calories: Servings: 2 Cuisine: Indian Jaggery Kheer Ingredients: Fresh rice - 1/2 cup Milk - 1 liter Jaggery - 3/4 cup to 1 cup Water - 1/2 cup Dry fruits - almonds, cashews, and raisins Cardamom powder - 1/2 teaspoon Method of preparation: 1. First, wash the rice thoroughly and soak it in water for 15 to 20 minutes. Then, strain the water and separate it. 2. Now, pour the milk into a heavy-bottomed pan and bring it to a boil over medium heat. Once the milk comes to a boil, reduce the heat and let it thicken slightly. 3. Now, add the soaked rice to the boiling milk. After adding the rice, keep stirring the milk continuously so that the rice does not stick to the bottom of the pan. 4- Cook it on low flame until the rice is completely melted and the milk becomes creamy and thick. 5- While the rice is cooking, add jaggery and half a cup of water in a separate pan and melt it on low flame. When the jaggery dissolves, turn off the flame and let it cool completely. 6- The most important thing while making jaggery kheer is that jaggery should never be added to hot milk, otherwise the milk may curdle. 7- Therefore, when the kheer is ready, turn off the flame of the gas and let it cool a bit. 8- Now, strain the prepared jaggery water into it and add it slowly while stirring continuously with a ladle. Finally, add ground cardamom powder and chopped dry fruits of your choice to it.

Dieting alone won't reduce stubborn waist fat! You'll need to do these simple exercises daily to melt belly fat.

To reduce stubborn waist fat, not only diet but also a proper lifestyle and exercise are essential. Fat accumulated around the waist is quite stubborn and won't easily go away. This is why belly fat often becomes a problem for people. Dieting alone isn't enough to reduce it. A proper lifestyle and exercise also play an important role. If you take some time every day to do some specific exercises, your waist will become slim and shapely in no time. Let's learn about exercises to reduce belly fat. Exercises to Reduce Belly Fat: Crunches - Crunches are the easiest and most effective exercise to reduce belly and waist fat. They strengthen the abs and gradually reduce fat. Perform three sets of 15-20 reps daily and maintain proper form. Planks - Planks strengthen the entire body, especially the core muscles. Start with 20-30 seconds and gradually increase to a minute. This helps tighten and stabilize the waist. Russian Twist - This exercise targets the love handles on the sides of the waist. While performing it, rotate your body left and right while maintaining balance. Doing 20-25 reps daily gives good results. Bicycle Crunch - This exercise works both the abs and obliques. Movements like cycling burn calories quickly and reduce waist fat. Mountain Climber - This is a high-intensity cardio exercise that increases metabolism. Do it continuously for 30-40 seconds. It is very effective in reducing both belly and waist fat. Leg Raise - This exercise strengthens the lower abdominal and waist area. Do it slowly to properly engage the muscles. Do 2-3 sets of 12-15 reps daily. Side Plank - Side plank especially helps reduce fat on the sides of the waist. Hold for 20-30 seconds on each side and gradually increase the time. Some important tips: Exercise for at least 30-40 minutes daily. Eat junk food and sweets in moderation. Drink 7-8 glasses of water throughout the day. Make sure to get enough sleep.



After the web series, Aamir Khan and Farhan Akhtar will make waves with microdramas; the "Dil Chahta Hai" stars have joined forces.



Following the web series, Farhan Akhtar is launching a microdrama platform in collaboration with actor-producer Aamir Khan. Aamir Khan Productions and Excel Entertainment have joined forces. Aamir Khan will make a new beginning in the digital entertainment world – launching a major microdrama platform. After "Dil Chahta Hai," Aamir Khan and Farhan Akhtar have worked together on several projects. Now, the two have joined forces once again. Aamir Khan, Farhan Akhtar, and Ritesh Sidhwani's production houses have decided to enter the digital entertainment world. Aamir and Farhan's big bet is this project involving a microdrama platform. Today, many companies, including Jio Hotstar, are entertaining audiences through short-form microdrama platforms. Aamir Khan Productions and Farhan-Ritesh's Excel Entertainment have now joined forces. A telecom company will also collaborate - Aamir, Farhan-Ritesh, and Ritesh have been working on this venture for some time. It will include existing IP, new original content, and exclusive partnerships with digital creators. A major telecom company has also joined to deliver this content to audiences. Will entertain with short-form microdramas - This venture, which has been taking shape for some time, is establishing itself as a large-scale content ecosystem around the most popular short format, mobile-first entertainment. The platform will utilize the existing intellectual property libraries of both production houses. Additionally, they will invest in the development of original content specifically tailored for the microdrama format. YouTube creators will also be involved - People close to the development say that the platform is also signing several well-known digital and YouTube creators for exclusive content partnerships. This move will introduce existing digital talent and their audiences to content created by both production houses on the platform. With existing IP, new original productions, exclusive partnerships with digital creators, and the support of telecom distribution, the platform is poised to launch a large content pipeline. An official announcement regarding the platform is expected soon.

Kareena Kapoor's Daayra is coming to OTT after two months. When and where to watch the thriller with a 7.1 IMDb rating?



Kareena Kapoor Khan's film Daayra is now ready to hit the OTT platform after hitting theaters. Kareena's Daayra is coming to OTT. Daayra received critical acclaim and was a box office disaster. Actress Kareena Kapoor Khan has left glamorous roles and is currently playing intense roles in theaters and OTT. After "Jaane Jaan" and "The Buckingham Murders," Kareena Kapoor appeared as DCP Ajooni Kohli in the Meghna Gulzar-directed film Daayra. Prithviraj Sukumaran also played the lead role alongside Kareena. Kareena Kapoor's Daayra was released in theaters two months ago. Now, the film is coming to OTT. When and on which OTT platform is Daayra releasing? It was a box office disaster. Inspired by true events, Meghna Gulzar-directed Daayra released in theaters on September 18th. There were high hopes for the film to be a box office smash, but that didn't happen. It had the worst opening of Kareena's career, proving to be a disaster at the box office. Which OTT platform is Daayra releasing on? - While Kareena Kapoor's Daayra may not have been a major box office success, people were eagerly awaiting its OTT release. Now, it's finally been announced when and where the film will stream. Kareena's Daayra is hitting the OTT platform Netflix. Two months after its theatrical release, Daayra is arriving on Netflix on November 13th. Audiences are eager to see the film on OTT. It received positive reviews from critics and has a 7.1 rating on IMDb. What is the story of the film 'Dayra'? - Inspired by true events, Daayra tells the story of the sexual assault and murder of a female doctor. DCP Raman Kumar (Prithviraj Sukumaran) encounters all four accused. In the film, the completely different views of justice, punishment and law between Kareena as DCP Ajooni and Prithviraj as Raman spark a new debate.

Pain in her voice, playfulness in her music... Lata Mangeshkar's cult song 'Haal-e-Dil' has been expressing her feelings for 55 years.



Fifty-five years ago, Lata Mangeshkar, the "Nightingale of the Nightingale," sang a song with poignant lyrics and a heartfelt voice, yet the music was a stark contrast. Lata Mangeshkar's most memorable song of the 70s was composed by Laxmikant-Pyarelal. Lata's song expresses the heroine's pain. Whenever Lata Mangeshkar, who has adorned thousands of songs with her voice, recorded a song in the studio, everyone present would be captivated by her melodious voice. Among her best songs is a sad song that has remained a cult favorite for 55 years. This old song by Lata Mangeshkar was a masterpiece in itself. The contrast between its lyrics and music makes it unique. Music lovers have been humming this song for 55 years. This song was filmed on Rajesh Khanna and Leena Chandravarkar. Lata Mangeshkar's evergreen sad song - This song is "Jaane Kyun Log Mohabbat Kiya Karte Hain" from the 1971 film "Mehboob Ki Mehndi." This song beautifully expresses the pain of unrequited love and heartbreak. This 8-minute, 33-second song is based on Leena Chandravarkar and sung by Lata Mangeshkar. Rajesh Khanna also appears in the song, but his silence only conveys the pain. In this song, Leena expresses her pain through her singing in front of a crowded gathering. The music was unique - While the lyrics and voice of the song will make you feel the pain of separation, the music was quite the opposite. Laxmikant-Pyarelal composed the song in a playful style. They used peppy tunes in the song. As evergreen as this song is, the music is equally memorable. Anand Bakshi wrote the lyrics. This solo hit, sung by Lata Mangeshkar, touches your heart, and the credit goes to Anand Bakshi, who has beautifully crafted this song. Lata's slow, melodious, and poignant rendition soothes the heart. What was the film's story? The musical drama, Mehboob Ki Mehndi, was based on Muslim culture during the Nawabi era. A wealthy Muslim man named Yusuf (Rajesh Khanna) falls in love with his nephew's teacher, Shabana (Leena), and they decide to marry. But then, Shabana's past comes to light, and he discovers that she is the daughter of a courtesan. All the songs in this film were superhits.